अभ्यास पत्रक

पाठ – बालगोबिन भगत

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

1. बालगोबिन भगत किस पंथ के अनुयायी थे?
   (क) रामानंदी (ख) कबीरपंथी (ग) नाथपंथी (घ) संतमत
2. बालगोबिन भगत किस वाद्य यंत्र का प्रयोग करते थे?
   (क) तबला (ख) हारमोनियम (ग) खँजड़ी (घ) करताल
3. लेखक को बालगोबिन भगत के गीत किस समय सबसे अधिक आकर्षित करते थे?
   (क) गर्मी की उमस भरी शामों में (ख) दोपहर में
   (ग) वर्षा ऋतु में (घ) रात के समय
4. भगत जी ने अपने बेटे के निधन के बाद क्या किया?
   (क) घर छोड़ दिया (ख) बहू को घर से विदा कर दिया
   (ग) चुपचाप रोए (घ) कुछ नहीं किया
5. बालगोबिन भगत की मृत्यु कैसे हुई?
   (क) बीमारी से अस्पताल में (ख) गंगा-स्नान के दौरान
   (ग) गीत गाते-गाते (घ) नींद में शांतिपूर्वक

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक)

1. भगत जी के कंठ से कबीर के पद _____ हो उठते थे।
2. उनके बेटे की चिता को आग उनकी _____ ने दी।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30–40 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. बालगोबिन भगत के पहनावे और वेशभूषा से उनके स्वभाव का क्या परिचय मिलता है?

उत्तर - .....

.....

.....

2. बालगोबिन भगत खेती से प्राप्त अनाज का क्या करते थे?

उत्तर - .....

.....

.....

3. लेखक को किस दृश्य ने 'गाना है या जादू' सोचने पर विवश किया?

उत्तर - .....

.....

.....

4. बालगोबिन भगत ने बहू को क्यों अपने पास नहीं रखा?

egyanarchive

उत्तर - .....

.....

.....

प्रश्न 4: गद्यांश आधारित प्रश्न (1×4 = 4 अंक)

"घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। किन्तु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते–गाते कभी–कभी पतोहू के नज़दीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते।"

1. उपर्युक्त प्रसंग किस अवसर पर आया है?

उत्तर - .....

.....

2. बालगोबिन भगत बहू को रोने के बदले उत्सव मनाने को क्यों कहते हैं?

उत्तर - .....

.....

3. इस प्रसंग से भगत जी के किस विश्वास का परिचय मिलता है?

उत्तर - .....

.....

4. 'उत्सव' शब्द का प्रयोग यहाँ किस अर्थ में किया गया है?

उत्तर - .....

.....

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न: 'बालगोबिन भगत' कहानी केवल एक व्यक्ति का जीवन-चरित्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय ग्रामीण समाज में आध्यात्मिक संगीत, ईमानदारी, निस्वार्थता और वैराग्य का प्रतीक भी है। पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ख) कबीरपंथी
2. (ग) खँजड़ी
3. (क) गर्मी की उमस भरी शामों में
4. (ख) बहू को घर से विदा कर दिया
5. (घ) नींद में शांतिपूर्वक

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. सजीव
2. बहू

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. भगत जी का पहनावा अत्यंत सादा, कबीरपंथियों जैसा था — लंगोटी, कनफटी टोपी, चंदन का टीका। इससे उनके संत स्वभाव, संयम और आध्यात्मिकता का परिचय मिलता है।
2. वे अनाज को पहले कबीरपंथी मठ (साहब के दरबार) में भेंट स्वरूप ले जाते थे और वहाँ से 'प्रसाद' के रूप में लाकर उसी से जीवनयापन करते थे।
3. जब वे खेत में धान की रोपाई करते हुए मधुर गान गाते, तो बच्चों से लेकर औरतों तक सब झूम उठते थे — यह दृश्य संगीत या जादू जैसा प्रतीत होता था।
4. भगत जी ने बहू को इसलिए भेज दिया क्योंकि वह विधवा हो चुकी थी और वे वैराग्य और त्याग के मार्ग पर चलने लगे थे।

प्रश्न 4 – गद्यांश आधारित उत्तर:

1. यह प्रसंग भगत जी के बेटे की मृत्यु के बाद का है।
2. वे मानते थे कि आत्मा परमात्मा से मिल गई है – यह आनंद का अवसर है।
3. इससे उनके गहरे धार्मिक विश्वास और मृत्यु पर विजय के भाव का परिचय मिलता है।
4. यहाँ 'उत्सव' का अर्थ मृत्यु को आत्मा के परमात्मा से मिलन के रूप में मनाने से है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- भगत जी एक साधारण गृहस्थ होते हुए भी त्याग, सेवा, सादगी और भक्ति का उदाहरण हैं।
- उनका संगीत ग्राम्य जीवन में ऊर्जा, सादगी और आध्यात्मिक भाव भरता है।
- पुत्र की मृत्यु जैसे संकट में भी उनका आत्मिक विश्वास नहीं डगमगाया।
- वे कबीर के सिद्धांतों पर पूरी निष्ठा से चलते हैं।
- 'बालगोबिन भगत' चरित्र के माध्यम से लेखक ने भारतीय आत्मा की पराकाष्ठा को चित्रित किया है।